**फोरम के आदेश के प्रवर्तन हेतु प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 25 उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986**

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष फोरम जिला ............

निष्पादन वाद सं० ............ सन् ............ !

(परिवाद सं०............ सन् ........... में पारित आदेश दिनाँक ............ से उत्पन्न)

........ पुत्र श्री ............. निवासी मकान सं० ............. मोहल्ला/कालौनी नगर/गाँव

.............थाना/तहसील ............ जिला ............

**बनाम**

1.............

2..............

माननीय अध्यक्ष एवं साथी सदस्यगण, परिवादी निम्न निवेदन करता है :

1. यह कि परिवादी ने विपक्षी/विपक्षीगण के विरुद्ध उक्त फोरम में एक परिवाद सं० .......... सन् ............. ............ बनाम ............ प्रस्तुत किया था जिसमें परिवादी के पक्ष म आदेश दिनाँक ............ को पारित हुए थे। वह आदेश अपील न करने अथवा खारिज हो जाने से अन्तिम हो चुका है।
2. यह कि विपक्षी/विपक्षीगण को ............. बदलकर देने/सेवा में कमी दूर करने के आदेश \* साथ ............ रु० प्रतिकर भी भुगतान करने का आदेश दिया गया था । फोरम की सत्यप्रतिलिपि इस प्रार्थना पत्र के साथ संलग्नक सं० 1 है ।
3. यह कि उक्त आदेश को पारित हए लगभग ............. माह/वर्ष हो चुके हैं किन्तु विपक्षीगण ने आदेश का अनुपालन नहीं किया है। फोरम के हस्तक्षेप के बिना आदेश का प्रवर्तन सम्भव नहीं है।
4. यह कि विपक्षी/विपक्षीगण की सम्पत्ति का विवरण अन्त में वर्णित किया जा रहा है। क प्रवर्तन हेतु विपक्षी/विपक्षीगण की सम्पत्ति को कुर्क करके नीलाम किया जाना तथा......रु० प्रतिकार वसूल करने हेतु वसूली तहसील को भेजा जाना परमावश्यक है।

अत: प्रार्थना है कि विपक्षी/विपक्षीगण की वर्णित सम्पत्ति को कुर्क करके नीलाम कराने तथा ... रु० प्रतिकर को भू-राजस्व के रूप में वसूल करने की तहसील ............ को आदेशिका जारी करने की कृपा करें।

**सम्पत्ति का विवरण**

**.........................**

**.......................... दिनांक..............**

**........... परिवादी**

**....... (नाम)**

**ह०........**

**शनाख्त........**

**दिनांक........**